JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

जून 2024

यदि आप मिले समय का सदुपयोग करते हैं, तो आप कर सकते हैं

बाधा पर काबू पाएं

प्रस्तावना

अपनी बाधाओं को दबाओ

मेरे प्यारे युवा बेटे और बेटियों ! यीशु मसीह के नाम पर प्यार भरा अभिवादन
क्या आपने छुट्टियों का आनंद लिया? छुट्टियों के बाद स्कूल या कॉलेज लौटने के लिए तैयार हैं? जैसा कि आप सभी आगामी शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत कर रहे हैं, हमारी प्रार्थनाएँ आप सभी के साथ हैं। प्रभु तुम्हारे साथ रहेगा। इस महीने, हम "बाधाओं पर विजय पाना" विषय के तहत विभिन्न तत्वों पर ध्यान करेंगे।

"जो बाड़ा तोड़ेगा, और रास्ता खोलेगा, वह उन से पहिले चढ़ेगा!"

आज भी, बहुत से व्यक्ति अपने लक्ष्यों को पूरा करने और इतिहास रचने की आशा में आगे बढ़ते रहते हैं, लेकिन जब उनके सामने बाधाएँ आती हैं, तो वे निराश और असुरक्षित हो जाते हैं। कई अन्य लोग चाहते हैं कि उन्हें भी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

ज्योति याराजी के जीवन में कई बाधाओं ने उन्हें आगे बढ़ने या कोई अवसर देने से रोका। हालाँकि, उन्होंने उन पर काबू पा लिया और गरीबी की छाया को अपनी क्षमता पर हावी नहीं होने दिया। बाधा दौड़ में उनकी कई उपलब्धियों के लिए भारत में सभी ने उनकी सराहना की, जिसमें नौ महीनों में नौ बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना भी शामिल था। भारत को उम्मीद है कि ज्योति 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतेंगी।

प्रिय युवाओं! आज आपके जीवन में, शत्रु द्वारा अनेक चुनौतियाँ और थकावट लाकर आप पर हावी होने और नष्ट करने की कोशिशों के बावजूद, कोई है जो आपके साथ खड़ा रहेगा और आपके लिए लड़ेगा। आपको अपनी बाधाएँ पहाड़ जैसी लग सकती हैं। हालाँकि, परमेश्वर जो आपके साथ है वह बाधाओं को हटा देता है और आपके आगे चलता है। इसलिए जब आप उस पर निर्भर होंगे, तो वह आपके लिए विनती करेगा, मध्यस्थता करेगा, लड़ेगा, और रास्ता खोल देगा।

उसने विशाल लाल सागर को दो भागों में बाँट दिया!

उसने बहती यरदन नदी को रोक दिया!

उसने शक्तिशाली यरीहो किले को ध्वस्त कर दिया!

उसने चट्टान को चीर डाला और पानी बहा दिया!

परमेश्वर जिसने ऐसे चमत्कार और अद्भुत काम किए हैं, वह आपके जीवन में भी ऐसा ही करेगा और आपको ऊपर उठाएगा और आपको चलाता रहेगा। वह तुम्हें बेदारी के कार्य में नेतृत्व प्रदान करेगा।

वह तेरी निर्बलता में काम करेगा, और उसका हाथ तुझ पर से न हटेगा। जो पहाड़ों को हिलाता है वह तेरे साथ है। वह आपके साथ अविश्वसनीय चीजें करेगा। परमेश्वर का अनुग्रह आप सभी पर बना रहे।

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

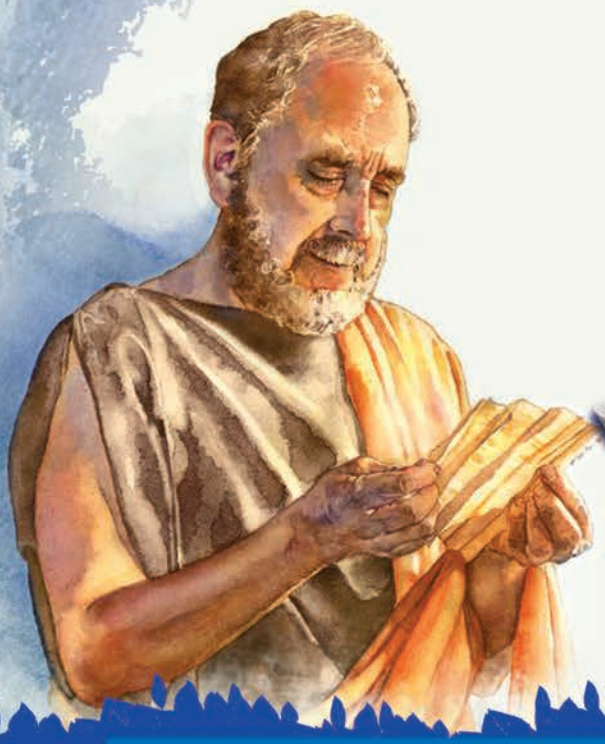

संजोए जाने योग्य रत्न

गयुस

नौजवानों को मेरा हार्दिक अभिनंदन। इस महीने का "संजोए जाने योग्य रत्न" (Gems to be Cherished) भाग, में 'गयुस' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। नए नियम में 'गयुस' नाम के कुछ व्यक्ति हैं। हालाँकि, आज हम जिस व्यक्ति को देख रहे हैं वह वही है जिसका उल्लेख युहन्ना अध्याय 3 में किया गया है। युहन्ना ने युहन्ना 3 में अपने पत्र को 'प्रिय गयुस को' वाक्य के साथ फिर से शुरू किया है। युहन्ना ने गयुस को बधाई दी, "हे प्रिय, मेरी यह प्रार्थना है कि जैसे तू आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे और भला चंगा रहे" (3 युहन्ना 2)। वह गयुस को एक "वफादार सेवक और सच्चाई पर चलने वाले" के रूप में वर्णित करता है।

गयुस न केवल अपने भाइयों के प्रति वरन अजनबियों के प्रति भी वफ़ादार था। वह अपने मेहमाननवाजी के लिए भी प्रसिद्ध था। युहन्ना ने यह पत्र सिर्फ गयुस को धन्यवाद देने के लिए नहीं लिखा था। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण विवाद को संबोधित करने के लिए लिखा था। गयुस के अनेक पहलू हमारे लिए अज्ञात हैं। लेकिन हम उस पत्र में शामिल उनके जीवन के थोड़े से विवरण से बहुत कुछ सीखते हैं।

गयुस की सबसे बड़ी ताकत "सच्चाई पर चलना" थी । वह वास्तविक सत्य से कभी पीछे नहीं हटा, इस तथ्य के बावजूद कि उसने उस दिन कई उपदेश देखे। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो मेहमाननवाजी के लिए हमेशा इच्छुक रहता था । ये दोनों उसके असाधारण गुणों में से हैं जिनकी अत्यधिक प्रशंसा की जाती है। सभी ने उसके बारे में अच्छी बातें कीं। युहन्ना के लिए वह एक बच्चे की तरह था। प्रेरित युहन्ना द्वारा लिखी गई एक संक्षिप्त पुस्तक होने के बावजूद, 3 युहन्ना में गयुस के जीवन का विवरण मसीहियों के लिए अत्यधिक फायदेमंद है।

प्रिय नौजवानों, गयुस के समान सत्य पर विश्वासयोग्य और दृढ़ रहो।

बाधाओं पर विजय पाएं

कोई भी जो सफलता पाने की लिए काम कर रहा है उसे किसी न किसी तरह से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जो लोग ऐसी चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हैं वे जीवन में चैंपियन होते हैं। हर चैंपियन के लिए पहली चुनौती उसका मन होता है। यदि मन आशावादी हो तो वह निडर होकर कुछ भी हासिल कर सकता है। बल्कि, यदि मन मानता है कि "यह बहुत कठिन है या आप इसे नहीं कर सकते," तो आप कुछ भी हासिल नहीं कर सकते। इसलिए, जीवन में अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए नकारात्मक विचारों पर काबू पाना बेहद जरुरी है, क्योंकि इससे आपको अपने लक्ष्य की ओर आधी छलांग लगाने में मदद मिलती है।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते समय, अपना ध्यान केवल उसी पर केंद्रित रखना महत्वपूर्ण है। चुनौतियों के बारे में चिंता करने से लक्ष्य की ओर आपका रास्ता धीमा हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि आपने अपनी स्कूल या कॉलेज की शिक्षा पूरी कर ली है और उच्च शिक्षा या नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो अपना ध्यान उस पर केंद्रित करें, और आप निश्चित रूप से इसे हासिल करेंगे। एक बार, जब दाऊद युद्ध से सिकलग लौटा, तो अमालेकियों ने दाऊद का सब कुछ लूट लिया। निराश होने के बजाय, दाऊद ने खुद को परमेश्वर में मजबूत किया, और परमेश्वर के वचन के अनुसार, "वह और उसके 600 आदमी चल पड़े" (1 शमूएल 30:9)। जब वे बसोर नाले के निकट पहुंचे, तो दो सौ पुरूष पीछे रह गए।

दाउद निराश नहीं था; उन्होंने 400 आदमियों के साथ अपनी यात्रा जारी रखी। बाद में, 200 लोगों ने दाउद को छोड़ दिया क्योंकि वे बेसोर घाटी को पार करने में बहुत थक गए थे। दाउद को एक के बाद एक

चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वह निराश नहीं हुआ। इसके बजाय, उसने परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया और प्रगति की। इसलिए, "दाऊद ने वह सब कुछ वापस पा लिया जो अमालेकियों ने ले लिया था, जिसमें उसकी दो पत्नियाँ भी शामिल थीं। कुछ भी रह नहीं गया था: युवा या बूढ़े, लड़का या लड़की, लूट या कुछ और जो उन्होंने लिया था। दाऊद सब कुछ वापस ले आया।" (1 शमूएल 30:19) अपने सामने बाधाओं को देखकर यदि दाउद निराश हो जाता तो वह यह युद्ध नहीं जीत पाता। हम बड़ी जीत तभी हासिल कर सकते हैं जब हम बाधाओं पर विजय पा लेंगे। यदि हम बाधाओं को देखकर हताश हो जाते हैं तो हम अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते।

हर दिन अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। अपनी बाधाओं से निराश न हों. यदि आप अपना लक्ष्य पूरा करना चाहते हैं, तो यह जरुरी है की आप, कड़ी मेहनत करें, अभ्यास करें और थोड़ी आशा रखें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके रास्ते में कितनी बाधाएँ आती हैं, आप उनका पीछा तभी कर सकते हैं जब आपको विश्वास हो कि आप उन पर जीत हासिल कर सकते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने लोग उठते हैं और आपको आपका लक्ष्य पूरा करने से रोकने की कोशिश करते हैं, आगे बढ़ते रहें।

जब नहेम्याह ने यरूशलेम की दीवारों का निर्माण शुरू किया, तो उसे कई बाधाओं, तनाव, संघर्ष, कठिनाइयों, अपमान और विरोध का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने अपने काम पर ध्यान देना जारी रखा. सम्बल्लत और तोबियाह ने अपने कर्मचारियों को भेजकर नहेम्याह से अपना काम बंद करने को कहा, परन्तु नहेम्याह ने उनकी एक न सुनी। उसने उन्हें यह सन्देश देकर वापस भेजा, "मैं बड़ा काम कर रहा हूँ, सो नीचे नहीं आ सकता" (नहेम्याह 6:3)। दूसरी ओर, नहेम्याह के कर्मचारियों ने काम में रुचि खो दी और छोटी-मोटी समस्याओं का हवाला देते हुए दीवार के पुनर्निर्माण का काम में शामिल होना नहीं चाहते थे, इन सभी चुनौतियों ने नहेम्याह को चौंका नहीं दिया; इसके बजाय, उसने दृढ़ता और परमेश्वर पर भरोसा रखत हुए, कड़ी मेहनत करना जारी रखा, इससे उसे यरूशलेम की दीवार का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण करने में मदद मिली। नहेम्याह के साथ के लोग कमज़ोर थे और निराशा से कराह रहे थे। परन्तु नहेम्याह ने प्रभु पर विश्वास किया, जिसने उसे भेजा था। उसने परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया, "जो मार्ग खोलेगा वह उनके आगे आगे चलेगा" (मीका 2:13) और अपने काम में सफल हुआ।

मेरे प्रिय युवाओं, आपके सामने कई चुनौतियाँ आ सकती हैं। लेकिन अगर आप अपना पूरा दिल और दिमाग अपने लक्ष्य में लगा देंगे तो आप उसे जरूर हासिल कर लेंगे। जब आप सफलता की राह पर हों तो बाधाएं आना आम बात है। थकान को जगह न दें और इसके बारे में चिंता न करें। इसके बजाय, अपने मन को मजबूत करें और यीशु पर विश्वास करें, जिसने आपको चुना और बुलाया। वह आपके जीवन की हर बाधा को तोड़ देगा और आपको अपना इच्छित लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेगा।

प्रभु जो खुली बाधाओं को तोड़ता है!

" उनके आगे आगे बाड़े का तोड़ने वाला गया है, इसलिए वे भी उसे तोड़ रहे हैं, और फाटक से होकर निकल जा रहे हैं; उनका राजा उनके आगे आगे गया अर्थात यहोवा उनका सरदार और अगुवा है।"
(मीका 2:13)

एक व्यक्ति को अपने जीवन में कई बाधाओं और बंद दरवाजों का सामना करना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति को अपने व्यवसाय में, विवाह में, नौकरी में, बच्चे जन्माने में, पदोन्नति में, पढ़ाई में, प्रार्थना जीवन में, या सेवकाई कार्य में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आज की दुनिया में बहुत से लोग बंद दरवाज़ों का सामना कर रहे हैं। यह उन्हें दुखी और निराश रखता है, इसलिए कि वे अपने जीवन में आगे बढ़ने में असमर्थ होते हैं।

यहाँ तक की आपके जीवन में भी, आप ऐसी बाधाओं का सामना कर रहे होंगे, लेकिन प्रभु आपकी ओर देखते हैं और कहते हैं, "मेरे बेटे/बेटी, मैं वह प्रभु हूं जो सभी बाधाओं को तोड़ता है। आपके जीवन में आप जिन सभी बाधाओं का सामना कर रहे हैं उठा ली जाएँगी। आपके जीवन की सभी रुकावटें बदलने वाली हैं। हर वह परिस्थिति जो आपकी प्रगति में बाधा बन रही थी, वह बदलने वाली है। प्रभु, जो मार्ग खोलता है, तुम्हारे आगे आगे चल रहा है।

पौलुस अपनी सेवकाई का काम थिस्सलुनीके में करना चाहता था। वह थिस्सलुनिकियों से कहता है, "मैं, पौलुस, हम ने एक बार नहीं वरन दो बार- तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा " (1 थिस्स 2:18)। शैतान ने पौलुस को थिस्सलुनीके शहर में सेवा करने से रोकने की कोशिश की। प्रियजन, क्या शैतान हमेशा बाधा उत्पन्न कर सकता है? नहीं वह नहीं कर सकता। वह एक बार बाधा उत्पन्न कर सकता है, लेकिन हमेशा नहीं, क्योंकि प्रभु, जो बाधाओं को तोड़ते हैं, आपके लिए रास्ता बनाएंगे।

इसी प्रकार, पौलुस रोमियों से कहता है, "प्रिय भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनजान रहो कि मैं ने बार बार तुम्हारे पास आना चाहा, की जैसा मुझे दूसरी अन्यजातियों में फल मिला, वैसा ही तुममें भी मिले, परन्तु अब तक रोका गया " (रोमियों 1:13) पौलुस परमेश्वर की सेवकाई करने के लिए रोम जाना चाहता था; उसने वहां जाने का प्रयास किया, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रहा। लेकिन बाद में, परमेश्वर पौलुस को रोम ले आये और उन्हें प्रभु का संदेश फैलाने में मदद की। यह रोम में था कि पौलुस शहीद के रूप में मर गया। जब सही समय आया, तो

परमेश्वर ने पौलुस के लिए दरवाज़ा खोला और उसे रोम ले आये।

यहाँ तक आज भी शैतान आपके जीवन में कुछ बाधाएँ ला सकता है। लेकिन परमेश्वर की अनुमति के बिना वह आपकी प्रगति में बाधा नहीं डाल सकता। भले ही शैतान बाधाएँ उत्पन्न करने की योजनाएँ बनता हो और परिश्रम करता हो, वह आपकी प्रगति को पूरी रीति रोक नहीं सकता। वह केवल एक अस्थायी अवरोध पैदा कर सकता है। लेकिन प्रभु ऐसी बाधाओं को तोड़ सकते हैं और आपके लिए रास्ते बना सकते हैं।

एक महिला का कई बार गर्भपात हो गया क्योंकि शैतान ने उसे बच्चा जन्माने से रोकने की कोशिश की थी। लेकिन पवित्र आत्मा ने दंपत्ति पर शैतान की योजना को प्रकट किया। उन्होंने एक साथ प्रार्थना की और दुष्ट आक्रमण दूर हो गया। प्रभु ने शैतान की योजना को नष्ट कर दिया और उन्हें एक बच्चे का आशीर्वाद देकर खुश किया। शैतान हमेशा आपके जीवन में बाधाएँ नहीं ला सकता। यहोवा उन्हें तुम्हारे लिये तोड़ डालेगा। वह बाधाओं को तोड़ देगा और आप पर अपनी आशीषे बरसाएगा। आपके व्यवसाय में, वह द्वार खोलेगा; आपकी नौकरी में, वह आपको बड़ी संभावनाओं का आशीर्वाद देगा; वह उन बाधाओं को तोड़ देगा जो आपको शादी करने से रोकती हैं और आपको एक सुखी वैवाहिक जीवन की आशीष देंगे।

कभी-कभी प्रभु आपके आशीष में देरी कर सकते हैं। लेकिन आपके जीवन में परमेश्वर की कोई भी योजना विफल नहीं हो सकती। आपको याद रखना चाहिए कि आपके आशीष में देरी हो रही है क्योंकि परमेश्वर के पास आपके जीवन के लिए एक निश्चित योजना है। देरी के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते रहें। आभारी हृदय से कहें, "हे प्रभु, मेरे कार्यस्थल पर पदोन्नति में देरी करने के लिए आपका धन्यवाद। हे प्रभु, मेरे जीवन में सही जीवनसाथी मिलने में देरी के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जब आप यह कहते हुए प्रभु को धन्यवाद और स्तुति करना जारी रखते हैं, "हे प्रभु, मेरे जीवन में देरी के लिए धन्यवाद; आपकी जानकारी के बिना, मेरे जीवन में किसी भी आशीषों में देरी नहीं होगी," जब आप विश्वास के ऐसे शब्द कहते हैं, तो सभी बाधाएं टूट जाएंगी। यहां तक कि अगर शैतान आपके आशीषों में बाधा डालता है, तो उपवास और प्रार्थना करके उस पर काबू पाएं। यह सभी शैतान की शक्तियों को नष्ट कर देगा। .

आज आपके जीवन में क्या बाधा है? देरी का कारण क्या है? आपके हालात क्यों नहीं बदल रहे? इसमें रुकावट क्यों है? मेरे बच्चे को परमेश्वर की आशीष प्राप्त करने से कौन रोक रहा है? अपनी समस्या लेकर यीशु के चरणों में बैठें और उनसे प्रार्थना करें। प्रभु चीज़ें बदल देंगे और दरवाजे तोड़ देंगे।

प्रिय युवा मित्र! आपको ऐसी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है जो आपके जीवन में अव्यवस्था और भ्रम पैदा करेंगी। साथ ही, आपको ऐसी बाधाओं का भी सामना करना पड़ सकता है जो आपके व्यवसाय, आपके काम या आपकी पढ़ाई में आपकी प्रगति को रोकती हैं। प्रभु हमारे साथ हैं। वही है वह जो खुले बाधाएँ तोड़ता है। प्रभु सभी बाधाओं को तोड़ेंगे और नए रास्ते बनाएंगे। प्रभु आपसे बात करते हैं, "मेरे प्यारे बेटे/बेटी, मैं सभी बाधाओं को तोड़ दूंगा और आपके जीवन में अवसर पैदा करूंगा। मैं वहां रास्ते बनाऊंगा जहां रास्ते नहीं हैं. डरो मत।" प्रभु पर भरोसा रखें और अपने जीवन में आगे बढ़ें; सफलता आपकी पहुंच में है!

TECH - 4

मोबाइल फ़ोन संभालें

मैं प्रभु में विश्वास करता हूं कि आप 'मोबाइल फोन संभाल' पर इस लेख के माध्यम से यीशु के मधुर नाम में नई बातें सीखते रहेंगे ।

पिछले महीने आपने क्लाउड स्टोरेज(cloud storage) और गूगल नोट्स के बारे में सीखा । इस महीने पता कीजिये कि क्लाउड स्टोरेज के उपयोग से आप और क्या कर सकते हैं ।

आमतौर पर जब हम कोई काम जल्दबाजी में करते हैं तो अक्सर यही होता है कि हम पूरा काम भूल जाते हैं, या तो काम की अधिकता के कारण ज्यादा पढ़ाई करने के कारण हम कुछ जरूरी चीजें भूल जाते हैं।

आप में से कुछ लोग कॉलेज में पढ़ रहे होंगे या कंप्यूटर से जुड़े कोई कार्य कर रहे होंगे, ऐसे में हम ऑफिस या कॉलेज की पढ़ाई से संबंधित या काम से संबंधित महत्वपूर्ण चीजें माइक्रोसॉफ्ट सॉफ्टवेयर या माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल में टाइप करते हैं।

कुछ आपातकालीन स्थिति में जो जानकारी हमने एक स्थान पर इक्ठ्ठी की है उसका उपयोग किसी अन्य स्थान पर नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि हम कार्यालय में कुछ जानकारी वर्ड फाइल या पावर प्वाइंट शीट के रूप में संभाले हैं, तो

घर आने के बाद हमें अचानक कुछ याद आता है या ऐसी स्थिति होती है जहां हमें इसे बदलने की आवश्यकता होती है, ऐसा करने में नुकसान की संभावना होती है।

जो काम आधा-अधूरा हो चुका है उसे आप अगले दिन शुरू कर सकते हैं। क्लाउड स्टोरेज ऐसी समस्याओं को सुलझाने में मदद करता है। गूगल डॉक्स (Google Doc), माइक्रोसॉफ्ट का एक विकल्प है जो विकास में था। हम इसका उपयोग पत्रों में सशक्त जानकारी के लिए कर सकते हैं।

यह गूगल डॉक्स ऐप हमारे द्वारा दी गई जानकारी को हमारी मेल आईडी के साथ क्लाउड स्टोर में संग्रहीत करता है। माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल की तरह ही हम आसानी से क्लाउड स्टोरेज का इस्तेमाल गूगल ऐप्स के साथ मुफ्त में कर सकते हैं। गूगल शीट्स को हम माइक्रोसॉफ्ट पावर प्वाइंट के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। नोट करें, माइक्रोसॉफ्ट वेबसाइट में भी क्लाउड स्टोरेज है लेकिन इसका उपयोग केवल मासिक सदस्यता का भुगतान करके किया जा सकता है जबकि गूगल स्टोरेज में 15 जीबी तक मुफ्त है। इससे काम या पढ़ाई में आने वाली बाधाएं दूर होंगी और नए रास्ते खुलेंगे।

प्रिय युवाओं, आपके जीवन में कुछ काम करने में अक्सर बाधाएँ आती हैं। भूलने की आदत की वजह से आप स्वयं से

किया वायदा को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे या निर्णय पर दृढ़ता से कायम नहीं रह पाएंगे। ऐसी स्थिति में. आपको एक और मदद की ज़रूरत है, यहां तक कि हमारी पवित्र बाइबिल में भी, डेविड कहते हैं कि एक व्यक्ति है जो इस स्थिति में हमारी मदद करता है भजन 108:12।

कठिन परिस्थिति में मनुष्य की सहायता व्यर्थ है, परमेश्वर ही हमारी सहायता करने में समर्थ है। क्या आपके मन में यह प्रश्न है कि प्रभु हमारी सहायता कैसे करेंगे? वह हमारी सहायता कैसे करेंगे? वह पवित्र आत्मा के माध्यम से हमारी सहायता करेंगे, 'जब वह सत्य की आत्मा के रूप में आएगा, वह आपको सभी सत्य का मार्गदर्शन करेगा। वह स्वयं तो नहीं बोलेगा परन्तु जो कुछ उसने में सुना है वह सब तुम्हें बताएगा" (यूहन्ना 16:13) ।

पवित्र आत्मा आपको आपके जरुरत अनुसार, सलाह और शान्ति देगा, और आपका मार्गदर्शन करेगा। हर स्थिति में पवित्र आत्मा पर निर्भर रहना सीखें और प्रभु की आशीष आसानी से प्राप्त करें।

ओके दोस्तों अगले तकनीकी लेख में फिर मिलते हैं तब तक परमेश्वर का अनुग्रह आपके साथ रहे।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें... 'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

दिल्ली
152, Pratap Nagar,
Near Hari Nagar Bus Depot,
New Delhi – 110 064.
Ph: 011-25616253 / 35580428.
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक

राँची
Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station
Road no -1, Doranda P.o.
Ranchi - 834002, Jharkhand
Ph: 0952 333 6010
कार्यालय समय: प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-धारावी
नं: टी/1, ब्लॉक 11,
90 फीट रोड़, राजीव गाँधी नगर,
धारावी मुम्बई - 400 017.
Ph: 80824 10410
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

ज़रिकपुर-पंजाब
SCF 19, 1st Floor,
Dhakoli Kalka Road, NH - 22, Near city court
Shopping Complex, ज़रिकपुर-पंजाब.
Ph: 94177 26492
कार्यालय समय: प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-Malad
'Bethel', Plot 305/E mith chowkly
Marve Road, Malad (W), Mumbai - 400064.
Ph: 96640 50567
कार्यालय समय: प्रात: 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

जून 2024

प्रार्थना निर्देशक

1. अध्ययन बताते हैं कि भारत में 799 लाख पुरुष शराब पीते हैं। आइए हम उनके लिए प्रार्थना करें कि वे शराब पीना बंद कर दें।'

2. युवाओं (15-39 वर्ष) में शराब की खपत 5.24 प्रतिशत बढ़ी है। आइए हम युवा पीढ़ी के इस लत से बाहर आने के लिए प्रार्थना करें।

3. नवीनतम अध्ययन के अनुसार, 15 से 39 वर्ष की उम्र के बीच 53.9 लाख भारतीय महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। आइए हम अपने देश की युवा लड़कियों को इस लत से मुक्ति दिलाने के लिए प्रार्थना करें।

4. भारत में लगभग 16 करोड़ लोग शराब के आदी हैं। आइए हम भारत के शराब मुक्त राष्ट्र बनने के लिए प्रार्थना करें।

5. शराब से प्रभावित परिवारों में सुख-शांति के लिए प्रार्थना करें।

6. भारत में, वायु प्रदूषण के कारण हर साल 21 लाख लोगों की मौत हो जाती है। आइए हम अपने राष्ट्र से वायु प्रदूषण से पूर्ण छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।

7. दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में से 22 भारत में हैं। इन 22 शहरों के साफ़ होने के लिए प्रार्थना करें।

8. परमेश्वर प्रार्थना करें की वह वायु प्रदूषण के कारण फेफड़ों की बढ़ती बीमारियों और मौतों से हमारी रक्षा करें।

9. आइए हम वायु प्रदुषण के कारण होने वाली देरी से वर्षा, अत्यधिक गर्मी और बदतर मौसमी हालत की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

10. प्रार्थना करें कि सरकार वह वायु प्रदूषण को रोकने के लिए उचित उपाय करे और यह सुनिश्चित करे कि भारत के लोग अच्छी और स्वस्थ हवा में सांस लें।

11. आइए हम उन छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो जून के महीने में स्कूल जाएंगे।

12. आइए हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर स्कूल जाने वाले बच्चों पर अधिकार करें और उनकी रक्षा करें।

13. आइए हम उन वाहनों पर यीशु के खून का दावा करें जिनमें छात्र स्कूल जा रहे होंगे।

14. आइए हम प्रभु से प्रार्थना करें कि वह बच्चों को सभी प्रकार की दुर्घटनाओं और खतरों से बचाए।

15. आइए हम प्रार्थना करें कि बच्चे आगे बढ़ें और अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करें तथा स्कूलों में पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध हो।

16. प्रार्थना करें की सरकार से उन छात्रों के लिए अवसर प्रदान किया जाये जो वित्तीय कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ रहे हैं।

17. प्रार्थना करें कि परमेश्वर छात्रों को किसी भी मृत्यु या आत्महत्या से बचाएं।

18. प्रार्थना करें कि कलीसियाएँ जागृत हों और प्रभु के लिये वफादारी से कार्य करें।

19. कलीसियाओं पर पवित्र आत्मा की सामर्थ उण्डेलें जाने के लिए प्रार्थना करें।

20. कलीसियाओं में एकता की भावना डालने और विश्वासियों को विश्वास में मजबूत करने के लिए प्रार्थना करें।

21. भारत में पाप की गुलामी में पड़े युवाओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

22. प्रार्थना करें कि युवाओं को पाप का गुलाम बनाने वाली दुष्ट आत्मा के कार्य बंद हो जाएं।

23. हत्याओं, दुर्घटनाओं और आत्महत्याओं के कारण होने वाले रक्तपात की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

24. प्रार्थना करें कि भारत राष्ट्र की अर्थव्यवस्था आशीषित हो।

25. प्रार्थना करें कि भारत देश के गरीब लोगों की आजीविका में आशीषित हो।

26. भारत राष्ट्र में लोगों को अश्लील साहित्य की लत से मुक्त कराने और बचाने के लिए प्रार्थना करें।

27. प्रार्थना करें कि भारत राष्ट्र सभी प्रकार के आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहे।

28. स्कूलों और कॉलेजों में लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

29. भारत में आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए प्रार्थना करें।

30. भारत में सभी कृषि भूमियों के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करें।

भावनाएँ

अवसाद

हम नौजवान अत्यंत प्रतियोगी संसार में रह रहें हैं। यह सच है कि हम हर दिन बहुत सारी चुनौतियों का सामना करते हैं। इसके आधार पर, हम अपनी भावनाओं को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करते हैं। निम्नलिखित विषयवस्तु आपके लिए है, विशेष करके यदि आप तनाव, क्रोध, घृणा, भय और अकेलेपन, जैसी बहुत सारी अप्रिय भावनाएँ महसूस कर रहे हैं।

उन वाक्यांशों में से एक जिसे हम आधुनिक दुनिया में अधिकांश सुनते हैं, है "मैं अवसाद में हूँ" । कई युवा मुझसे कहते हैं कि मैं बहुत 'तनाव' में हूं। इस निराशाजनक स्थिति से आप निपट सकते हैं। आजकल, बच्चे, किशोर, घर के मुखिया, वे लोग जो अकेले हैं, और यहाँ तक कि परमेश्वर के सेवक भी इस अवसाद से प्रभावित हैं।

अवसाद के कारण

- अवसाद का मूल कारण "निराशा" है।
- कुछ लोगों को निराशा और अवसाद का अनुभव तब होता है जब उनकी अपेक्षाएं, उम्मीद किये गए समय के भीतर पूरी नहीं होती हैं।
- कुछ लोग अपने प्रियजनों के चाल-चलन की वजह से 'निराश' और 'अवसादग्रस्त' महसूस करते हैं। ऐसी चकनाचूर हुई अपेक्षाएं, निराशा की ओर ले जाती हैं। अवसाद का, मूल कारण यही है।

बाइबिल में से वे लोग जिन्होंने अवसाद का सामना किया

प्रार्थना करने वाले मसीहियों के लिए कभी-कभी अवसादग्रस्त महसूस करना आम बात है! हालाँकि, इससे निपटना और इससे बाहर आना परमेश्वर के संतानों की विशेषता मानी जाती है। अवसाद पर काबू पाने वाले व्यक्तियों में सबसे अच्छा उदाहरण "नहेम्याह" है।

जब नहेम्याह यरूशलेम में दीवार का निर्माण कर रहा था तो उसे कई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिससे उसे निराशा महसूस हुई होगी। इस्राएलियों की मदद करने के लिए चाहे वह अपने रास्ते से अलग गया, तौभी उसे कई निराशाओं का सामना करना

पड़ा। हालांकि उसके पास हताश होने के कई कारण थे, जैसे कि संबल्लत और तोबियाह के कारण उत्पन्न समस्याएँ और वे समस्याएँ जिन्हें इस्राएलियों के बीच हल करने की आवश्यकता थी, उसने उन पर काबू पा लिया और 52 दिनों में यरूशलेम की दीवार का पुनर्निर्माण कार्य पूरा कर लिया। वह कुंजी जिससे उसने अपनी बुद्धिमानी से इस अवसाद को संभाला, यह है, जैसा कि नहेम्याह. 8:10 कहता है, "प्रभु का आनंद तुम्हारा बल है।"

हाँ ! अवसाद का एकमात्र इलाज है, "आनंद"।

जब निराशा तुम्हें घेर ले तो, 'प्रभु में आनन्दित होवो'। वे बातें जो आपको नीचे गिराती हैं वे बदल जाएंगी।

क्या आपको हैरानी होती है, "जब मैं टूट गया हूं और आहत हूं तो खुश रहना कैसे संभव है?

इसमें पवित्र आत्मा की सहायता की आवश्यकता है। हालाँकि, अवसाद के समय में हममें से कई लोग परमेश्वर के साथ अपना रिश्ता तोड़ देते हैं और बाइबल पढ़ना और प्रार्थना करना बंद कर देते हैं। यह शैतान की चाल है!

ऐसे समय में, यह हम पर निर्भर है कि हम निर्णय लें और पवित्र आत्मा की मदद से अवसाद पर विजय पाने का प्रयास करें, या फिर दुर्बल होकर या चिंता करते एकांत में चले जांए, और भूखे रहकर शरीर को नाश करें।

प्रिय नौजवानों, आपका निर्णय क्या है?

आपकी प्रार्थनाएं आपके रोने से सुनी जा सकती हैं! (2 राजा 20:5) परन्तु जब तुम यहोवा में आनन्दित रहोगे, तो तुम्हारे मन की अभिलाषाएं भी पूरी की जाएँगी। (भजन 37:4)

अवसाद पर विजय पाने के लिए बाइबल के कुछ वचन :

• धर्मी दोहाई देते हैं, और यहोवा सुनता है, और उनको उनके सब संकटों से छुड़ाता है। (भजन 34:17)

• मेरी आत्मा तुम्हारे पीछे-पीछे चलती है; तेरा दाहिना हाथ मुझे सम्भालता है। (भजन 63:8)

• किसी भी बात की चिन्ता न करो, परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएं। (फिलिप्पियों 4:6)

प्रिय युवाओं! अवसाद के समय जब आप प्रार्थना करने में असमर्थ हों तो अपने आप को अलग न करें; इसके बजाय, किसी प्रार्थना समूह में शामिल हों या दूसरों से प्रार्थना में सहायता लें। याद रखना! प्रभु ने आपको निराशा का जीवन जीने के लिए नहीं चुना है। मत भूलिए की आप पुनरुद्धार के वंशज हैं, जिन्हें महान योजना के लिए अलग किया गया है।

बहादुर तीमुथियुस

हेलो दोस्तों, मुझे अत्यंत ख़ुशी हो रही है आपसे दोबारा मिल कर इस श्रंखला में जिसका नाम है, 'बहादुर तीमुथियुस' ! मुझे आशा है कि आपको यह श्रंखला काफी फायदेमंद लगेगी।

अब तक, हमने तीमुथियुस के शुरुआती जीवन, सेवकाई में उनकी बुलाहट और एक युवा सेवक के रूप में उनके द्वारा अनुभव की गई चुनौतियों के बारे में बहुत कुछ सीखा है।

पिछले महीने, हमने देखा कि, जब तीमुथियुस और उनका दल पौलुस के साथ प्रचार कर रहा था, विद्रोहियों द्वारा उत्पन्न कठिनाइयों ने तीमुथियुस को उन चुनौतियों पर जय पाने के लिए मानसिक बल और अटल विश्वास प्रदान किया।

हममें से हर एक के पास व्यक्तिगत जिम्मेदारियाँ और कर्तव्य है जिन्हें हमें पूरा करना है। क्या हम उन्हें सही ढंग से, वक़्त पर, सफाई से और उचित तरीके से कर रहे हैं? क्या आप इस बात से घबरा गए हैं कि मैं अब ज़िम्मेदारीयों की बात कर रहा हूँ? इस महीने, हम तीमुथियुस की पहली ज़िम्मेदारी पर नज़र डालेंगे। चलिए हम इसमें शामिल हों।

तीमुथियुस को सौंपी गयी पहली जिम्मेदारी

यहूदियों द्वारा भड़काए गए दंगे के कारण पौलुस और अन्य लोगों को रातों रात थिस्सलुनीके शहर के लिए निकलना पड़ा। इसके अलावा, थिस्सलुनीके शहर से यहूदी भी बिरीया आये और दंगा भड़काया। इस लिए, प्रेरित पौलुस थिस्सलुनीके में विश्वासियों की स्थिति जानने के लिए उत्सुक था। इसके लिए उन्होंने सीलास को नहीं बल्कि बहुत ही युवा तीमुथियुस को चुना।

पौलुस को तीमुथियुस पर इतना भरोसा था कि उसने उसे दंगाइयों के पास भेज दिया। तीमुथियुस ने पौलुस के भरोसे को निराश नहीं किया और प्रभु की सहायता से सराहनीय

प्रदर्शन किया। वह थिस्सलुनीके गया, जहां दंगे हुए थे, उन्हें सांत्वना दी ताकि वे इन परेशानियों से निराश न हों, और उन्हें विश्वास में मजबूत किया।

यह तीमुथियुस का पहला कार्य था। इन विपत्तियों से कोई भी विचलित न हो, इसलिये हमने तीमुथियुस, अपने भाई और मसीह के सुसमाचार में परमेश्वर के सेवक, अपने साथी कार्यकर्ता, को तुम्हें दृढ़ करने और तुम्हारे विश्वास में प्रोत्साहित करने के लिये भेजा। (1 थिस्सलुनीकियों 3:2)।

एक युवक के लिए जो पहली बार अपने दम पर सेवा का दायित्व ले रहा है, क्या यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी नहीं है? यह उसकी उम्र परे रहा होगा. जिस चर्च में वह गया, वहां उससे उम्र में बड़े लोग भी रहे होंगे।

तीमुथियुस ने बिना कोई नकारात्मक विचार के, "क्या वे मेरी बात मानेंगे?" या वे मेरे युवा होने की वजह से नाराज होंगे?"

वह थिस्सलुनीके गया और उस चर्च में विश्वासियों को मजबूत किया। फिर वह कलीसिया के विश्वास और प्रेम के बारे में अच्छी खबर लेकर कुरिन्थियों लौट आया। इस समाचार से प्रेरित पौलुस को बहुत उत्साहित किया। इस खुशखबरी के जवाब में, पौलुस ने कुरिन्थियों से थिस्सलुनीके तक कलीसिया को अपना पहला पत्र लिखा।

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों को लिखी इस पत्री के लेखक के रूप में केवल स्वयं की पहचान नहीं की (1 थिस्सलुनीकियों 1:1); उन्होंने उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए तीमुथियुस और सीलास के नाम भी शामिल किए। कुरिन्थियों में रहते हुए, प्रेरित पौलुस ने इन तीनों के नाम से थिस्सलुनिकियों को अपना दूसरा पत्र भेजा (2 थिस्सलुनीकियों 1:1)।

ज़रा कल्पना कीजिए कि एक 20 वर्षीय युवा अपने ऊपर इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी अपने दम पर ले रहा है, और स्पष्ट परिणामों के साथ इसे दोषरहित और सहजता से निभा रहा है।

चूँकि तीमुथियुस ने अपना पहला काम अच्छी तरह से किया, इसलिए उसे और ज़िम्मेदारियाँ दी गयी होंगी। न केवल पौलुस, बल्कि प्रभु यीशु मसीह को भी उसकी सफलता के परिणामस्वरूप उस पर अधिक विश्वास हुआ होगा।

सामान्य तौर पर ज़िम्मेदारियाँ युवाओं को दी जाती हैं। उन पर हर चीज़ में भरोसा किया जाता है क्योंकि वे निडर और ऊर्जा से भरपूर होते हैं, और वे हर चीज़ को जोश, निपुणता और समझदारी के साथ लेते हैं। केवल वे ही लोग, जो अपने कर्तव्यों को उच्च मानक पर पूरा करते हैं, पुरस्कार प्राप्त करेंगे। केवल ऐसे व्यक्ति में ही अन्य लोग अधिक आत्मविश्वास प्रकट करते हैं। वे उस आत्मविश्वास के परिणामस्वरूप जीवन में बेहतर चीजें हासिल करेंगे। बाइबल हमें बताती है कि धर्मी व्यक्ति को उत्तम आशीषें मिलेंगी।

एक बेटी या बेटे, एक छात्र, एक कर्मचारी, चर्च के सदस्य और देश के नागरिक के रूप में, हमारे भी कई कर्तव्य हैं। क्या हम उन्हें सही ढंग से पालन करते हैं? क्या हम उन्हें पूरा करने का प्रयास करते हैं? या क्या हम उनसे कतराते हैं? आइए इसके बारे में सोचें. जब हम परमेश्वर से आशीर्वाद और आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रार्थना करते हैं, तो हम अक्सर यह मूल्यांकन करने में लापरवाही करते हैं कि हम अपनी दी गई जिम्मेदारियों को कितनी अच्छी तरह निभा रहे हैं। अपने कर्तव्यों के पालन में हमारी कमियाँ कभी-कभी हमारी असफलताओं का कारण बन सकती हैं। यदि हां, तो आइए अपना मूल्यांकन करें और परमेश्वर की सहायता से आवश्यक सुधार करें। जीत निश्चित है!

(मिशन यात्रा जारी है।)

नरक का टिकट!

भाग 5

हेलो दोस्तों, शैतान हमें नरक में ले जाने के लिए, पाप को एक जाल के रूप में इस्तेमाल करता है। "झूठ बोलना" ऐसा ही एक जाल था, जिस पर हमने पिछले महीने संक्षेप में चर्चा की। हमें कई सवालों के जवाब जानने को मिले, जैसे झूठ क्या है? बाइबल इसके बारे में क्या कहती है? झूठे कौन हैं? झूठ बोलने का पाप किससे आया है? और झूठ बोलने के क्या परिणाम होते हैं? इस महीने हम शैतान के एक और जाल पर चर्चा करने जा रहे हैं, जो है 'मतवालापन'।

मतवालापन

शराब पीना और उसके नशे में चूर रहना 'मतवालापन' कहलाता है। संक्षेप में, हम मतवालापन को शराब की लत के रूप में परिभाषित करते हैं। यह पाप आजकल ज्यादा फैल गया है। बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर कोई, उम्र की परवाह किए बिना, नशे में चूर हो जाता है। एक समय था जब केवल पुरुष ही शराब पीते थे। लेकिन समय के साथ-साथ महिलाओं ने भी यह कहकर शराब पीना शुरू कर दिया कि हम पुरुषों से कम नहीं हैं और हमें भी उनकी तरह सारे अधिकार हैं। इन दिनों में, लोग एक पारिवारिक रूप में इकट्ठे बैठकर शराब पीते हैं।

हम स्कूल और कॉलेज के छात्रों को देख सकते हैं, सोशल मीडिया पर अपनी यूनिफार्म में शराब पीते हुए वीडियो पोस्ट करते हैं। उन दिनों अधिकतर अनपढ़ लोग ही शराब पीते थे। पर इन दिनों में पढ़े लिखे लोग ज्यादातर शराब पी रहे हैं। उन दिनों लोग कभी-कभार शराब पीते थे। आजकल, लोग सभी अवसरों पर शराब पीते हैं, जैसे नए साल की पार्टी, जन्मदिन की पार्टी, विवाह समारोह, जब उन्हें नौकरी या पदोन्नति मिलती है, जब कोई बच्चा पैदा होता है, इत्यादि। कुछ पुरुष और महिलाएं नाइट क्लब, पब, क्लब और बार, जैसे शराब के ठेकों में जाते हैं, की खुद को नशे में धुत करें। कुछ शौक के लिए पीते हैं, कुछ शान के लिए और कुछ अपनी समस्याओं को भूलने के लिए। कुछ युवा नशा करने के लिए हेरोइन, कोकीन, भांग और अन्य अवैध पदार्थों का उपयोग करते हैं। हमारे समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं जो शराब पीते और नशे में चूर हो जाते हैं। बाइबल में इन लोगों को 'पियक्कड़' कहा गया है।

क्या आप जानते हैं कि "मतवालापन" का पाप अब इतना क्यों बढ़ गया है, जितना पहले कभी नहीं हुआ? क्योंकि यह अंत समय है. जब शिष्यों ने यीशु से पूछा कि दुनिया के अंत और यीशु के आने का संकेत क्या होगा, तो यह यीशु द्वारा कहे गए कई चिन्हों में से एक था। "सावधान रहो, नहीं तो तुम्हारे मन मौज-मस्ती, मतवालेपन और जीवन की चिन्ताओं से सुस्त हो जायेंगे, और वह दिन जाल की नाईं तुम पर अचानक आ पड़ेगा" (लूका 21:34)।

बाइबल कहती है कि शराबी गरीब हो जायेंगे। (नीतिवचन 23:21, 21:17) वे अपनी कमाई का सारा पैसा शराब पर खर्च कर देते हैं, अपनी संपत्ति बेच देते हैं, पैसे उधार लेते हैं और अंततः कर्ज जमा कर लेते हैं। नीतिवचन 23:29-35 हमें शराब की लत के विपरीत प्रभावों के बारे में सिखाता है। बाइबिल में, जब नूह नशे में था, तो उसे पता भी नहीं चला कि कब उसके कपड़े उतर गए (उत्पत्ति 9:21)। मतवालापण हमें ठोकर खिलाता है (अय्यूब 12:25)। इस पाप के कारण बहुत से लोग बीमार पड़ते हैं और मर जाते हैं। बहुत सी स्त्रियाँ विधवा हैं, और बच्चे अनाथ हैं। नशे का यह पाप हमारे जीवन में श्राप लाता है (यशायाह 5:11)। यह पाप न केवल इस संसार में रहते हुए प्रभाव डालता है बल्कि मृत्यु के बाद हमारी आत्मा को नरक में ले जाता है। पियक्कड़ परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे (गलातियों 5:21; 1 कुरिन्थियों 6:10)।

बाइबल हमें इस संबंध में क्या मार्गदर्शन प्रदान करती है?

जो लोग शराब के आदी हैं, वे अँधेरे में टहलने वालों के समान हैं। वे लड़खड़ा सकते हैं और कई दुर्घटनाओं का सामना कर सकते हैं। इसलिए, धर्मग्रंथ कहते हैं, "जैसा दिन को शोभा देता है, वैसा ही हम सीधी चाल चलें, न की लीला-क्रीडा और पियककडपन में" (रोमियों 13:13)। इफिसियों 5:18-19 में, बाइबल कहती है, "शराब से मतवाले मत बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है; परन्तु आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ, और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गया करो, और अपने-अपने मन में प्रभु के सामने गाते और कीर्तन करते रहो।"

युवा भाई-बहन जो इसे पढ़ रहे हैं : पाप में शक्ति है। पाप शांति को नष्ट कर देता है, बीमारी लाता है, और आपको गुलाम बना लेता है (यूहन्ना 8:34)। शैतान ही है जो हर पाप के पीछे काम करता है। क्या आप इस बात से चिंतित हैं कि 'मैंने मज़े के लिए शराब पीना शुरू किया और धीरे-धीरे इसकी लत लग गई?' कुछ अन्य लोग भी हैं जो जानते हैं कि यह पाप है पर इससे छोड़ नहीं पाते। चिंता न करें ! यीशु मसीह न केवल हमारे पापों को क्षमा करता है, बल्कि वह हमें उनसे बचाता भी है। इसीलिए उसने अपना खून बहाया, आपके पाप को अपने ऊपर ले लिया, और शैतान को क्रूस पर हराया। 'यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करता है, तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे' इन शब्दों के अनुसार, जब आप आज अपने आप को समर्पित करते हैं और उसे पुकारते हैं, 'यीशु, मेरे पापों को क्षमा करें और मुझे इससे मुक्त करें,' तो चाहे आप कितने ही वर्षों से इस पाप के गुलाम हैं, यीशु मसीह का एक स्पर्श आपको स्वतंत्र कर देगा।

प्रिय युवाओं, शैतान हमसे "मतवालापन" का पाप करवाकर हमें नरक में ले जाने की साजिश रच रहा है। अत: सतर्क और शांत रहकर इस पाप के भयानक परिणामों से बचें। ठीक है दोस्तों, अगले महीने हम एक और पाप के बारे में जानेंगे जो हमें नरक की ओर ले जाता है।

NISUIN BERIYTH

(विवाह अनुबंध)

भाग 5

बाइबिल कहती है, "हमारी आयु के वर्ष सत्तर तो होते हैं, और चाहे बल के कारण अस्सी वर्ष भी हो जाएँ"। (भजनसंहिता 90:10)

यदि आप इसे शादी से पहले और बाद के वर्षों में विभाजित करते हैं, तो लोगों के पास शादी से पहले का समय तुलनात्मक रूप से कम होता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की शादी 25 साल की उम्र में हो जाती है और वह 75 साल तक जीवित रहता है, तो इसका मतलब है कि वह अविवाहित रहने की तुलना में शादी के बाद दोगुना समय तक जीवित रहा। इसलिए परमेश्वर चाहता है कि हर किसी का विवाह आनंद, खुशी और शांति से भरा हो। ऐसा करने के लिए, वहां बाहर प्रत्येक नौजवान को परमेश्वर के साथ मिल कर काम करना होगा। जब वे परमेश्वर की इच्छा के आधार पर जीवन साथी चुनने का निर्णय लेते हैं और सही समय तक प्रतीक्षा करते हैं, तो शैतान उन पर कई समस्याएं डाल सकता है। इस महीने, हम ऐसी बाधाओं को देखेंगे और पवित्र बाइबिल के निर्देश को की उन पर कैसे जय पायें।

पाप

मसीह को जानने से पहले, या उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के बाद भी आपने अपने दोस्तों को खुश करने के लिए साहसपूर्वक कुछ पाप किए होंगे। ये पाप आपको दोषी महसूस करा सकते हैं, या आपके गहरे राज़ को जानने वाले लोग यह कहकर आपको शर्मिंदा कर सकते हैं कि आप शादी के लिए अयोग्य हैं और आपको निराश कर सकते हैं। ये कुछ कारण आपको डरा सकते हैं कि आगे क्या करना है। लेकिन डरो मत ; एक बात स्पष्ट जान लो: हमारा परमेश्वर प्रेम से भरपूर है; वह पाप से घृणा करता है, पापियों से नहीं। "मसीह यीशु पापियों का उद्धार करने के लिये जगत में आये" (1 तीमुथियुस 1:15)। "जो अपने पापों को छिपा रखता है, उसका काम सुफल नहीं होता, परन्तु जो उन्हें मान लेता और

छोड़ भी देता है, उस पर दया की जाएगी" (नीतिवचन 28:13)।

उदाहरण के लिए, एक युवा जिसे धूम्रपान की आदत अपने दोस्तों से मिली होगी। विवाह के लिए तैयार होते वक़्त उसे अपने पाप का एहसास होता है, उसे बस अपने पापों को परमेश्वर के सामने मानना है फिर चाहे वे कितने ही गहरे क्यों न हों, और पश्चाताप करना है। क्या वह परमेश्वर तुम्हें क्षमा नहीं कर सकता जिसने उन्हें जिन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया था, उनके पश्चाताप करने से पहले ही क्षमा कर दिया ? उनकी पवित्र हजुरी और शांति की खोजते हुए, ईमानदारी से प्रार्थना करें; आपको जो आशीष मिलने वाली है उसे कोई नहीं रोक सकता।

अभिभावक

कभी-कभी माता-पिता जिन्हें मसीह द्वारा छुटकारा नहीं मिला है, वे आपके लिए जिन्होंने उद्धार पाया है, जीवन साथी को पाने में बाधा बन सकते हैं। ऐसी परीस्थिति में भी अपना बोझ मसीह पर डालें। सिर्फ वह ही, सीलबंद दरवाजों को खोल सकता है। एक बार, एक अविश्वासी उद्योगपति के घर पैदा हुई एक लड़की ने कॉलेज में अपने दोस्तों के द्वारा उद्धार पाया। जब तक वह हॉस्टल में थी तब तक वह यीशु की आराधना करने के लिए स्वतंत्र थी। लेकिन जब वह घर लौटीं तो एक बड़ा झटका उसका इंतजार कर रहा था। उसके पिता ने उसे बताया कि उन्होंने उसकी शादी एक अन्य अविश्वासी उद्योगपति के बेटे से करने का वादा किया था। वह इसे सहन नहीं कर पा रही थी। वह यह सोचकर भयभीत हो गई कि कैसे वह परमेश्वर की स्तुति किये बगैर, उससे प्रार्थना किए बिना, या उसके शब्दों को पढ़े बिना नहीं रह सकती। क्योंकि बाइबल में आठ बार उल्लेख किया गया है (निर्गमन 20:12; व्य. वि.5:16; मत्ती 15:4; लुका 18:20; इब्रानियों 6:3) कि व्यक्ति को अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, वह उनके निर्णय के खिलाफ विद्रोह करने को तैयार नहीं थी। वह अपना बोझ भी किसी से सांझा नहीं करती थी. जब भी वह अकेली होती तो बोझ के साथ उपवास और प्रार्थना करती। वह कई रातों तक जागती और प्रार्थना करती रहती। आख़िरकार, उसका हृदय उस अलौकिक शांति से भर गया जो दुनिया नहीं दे सकती थी। परमेश्वर ने उसे यह वचन दिया, "जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं उनके लिए सभी बातें मिलकर भलाई को उत्पन्न करती हैं," और उसे मजबूत किया। इसके बाद वह न तो रोई और न ही उस विवाह का विरोध किया। और विवाह सबकी खुशी के साथ हुआ। जब उसने अपने नवविवाहित पति से बताया की वह मसीह से प्यार करती है, तो उसने भी सांझा किया की वह भी एक गुप्त मसीही है और मसीह से प्यार करने वाली पत्नी के लिए ईमानदारी से प्रार्थना कर रहा था। वे दोनों बयान से बाहर आनंद से भर गए। इस प्यारी बेटी ने साबित कर दिया है कि प्रार्थना अविश्वशनीय बातें भी पूरा कर सकती है, है ना?

प्रिय बच्चों, उन माता-पिता को छोड़कर जो धन, शक्ति, घमंड या पाप के आदी हैं, अन्य सभी चाहते हैं कि उनके बच्चे अपना सर्वश्रेष्ठ जीवन जिएं। इसलिए, माता-पिता की शांति और आशीर्वाद के महत्व को न भूलें। निसुइन बेरीथ परमेश्वर की इच्छा के रास्ते में आने वाले अवरोधक पत्थरों को उजागर करना जारी रखेंगे।

परिवार की मुक्ति में परमेश्वर की इच्छा

हे ! मेरा नाम उर्वशी है, अन्य बच्चों के विपरीत मेरा बचपन का समय खुशनुमा नहीं था, मेरी माँ नहीं थी, मेरा एक बड़ा भाई और एक छोटा भाई है। मेरा पिता शराबी है. उन्हें मेरा दूसरों से बात करना या दूसरे बच्चों के साथ खेलना पसंद नहीं है।

वह मेरे बड़े भाई के लिए पीने की बोतलें खरीदता था। पूरी रीति से शराब पीने के बाद वे मुझे बहुत बुरी तरह पीटते थे। वे मुझे बहुत बेरहमी से पीटते थे। हर दिन मैं अपने चेहरे और हाथ पर चोट के निशान के साथ अपने कॉलेज जाया करती थी।

सभी ने मेरा मजाक उड़ाया करते थे। इस तरह मेरे शरीर पर मार और घाव सहते हुए कई दिन और महीने बीत गए। मैंने बड़ा दुःख भरा जीवन जीया।

इन सब के बावजूद भी, जो प्रेम मेरा यीशु के लिए था जरा नहीं हिला । मेरे पिता को इस बात का अहसास हो चूका था की में मसीही बनी रहूंगी इसलिए उन्होंने मुझे हटाने के और नए तरीके अपनाए ।

और ज्यादा शराब पीकर मेरे पिता और मेरे भाई ने मुझे मारा। उन्होंने मेरे साथ बहुत बुरा व्यवहार

किया और हमारे पड़ोसियों को मेरे बारे में कहा की, "यह लड़की वेश्या है और वेश्यावृत्ति में लिप्त है।" उस दुःख को बयान करने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं। मैं ऐसी पीड़ा में थी।

चूंकि मेरा परिवार किसी अन्य धर्म से है। यह सोचकर कि मेरे द्वारा यीशु को स्वीकार करने से मेरे परिवार के सम्मान को ठेस पहुंचेगी, मेरे पिता और भाई ने मुझे हर संभव तरीकों से घर से बाहर निकालने की कोशिश की। मेरे छोटे भाई को मुझ पर तरस आता था और वह मेरा पक्ष लेता था। हर किसी ने मेरे पिता की बातों पर विश्वास किया । लोगों ने हमारी बातों का न ही विश्वास और न ही सम्मान किया । क्योंकि परिस्थितियाँ हमारे विपरीत थीं, हम बिना उम्मीद खोए प्रार्थना कर रहे थे। एक दिन मेरे पिता और मेरे भाई ने मुझे बहुत देर तक पीटने के बाद न केवल मुझे पुलिस स्टेशन छोड़ दिया बल्कि पुलिस से कहा कि 'यह एक वेश्या है,' तुम उसे यहाँ रख सकते हो और उसके साथ जो चाहो कर सकते हो। यह कह कर वे मुझे थाने छोड़ आये। मेरे अपने पिता ने मेरे साथ इतना बुरा व्यवहार किया, सोच कर मेरा ह्रदय टुकड़े टुकड़े हो गया।

मैं इतनी मार, अपमान और शर्मिंदगी इसलिए सहन कर पायी क्योंकि यीशु मेरे जीवन में मेरे साथ थे।

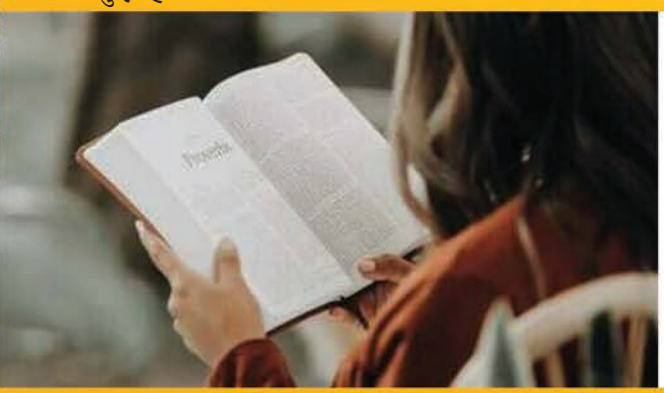

> "इनमें से किसी ने भी यीशु के लिए मेरे जीवन को प्रभावित नहीं किया"

> "हमने कभी आशा नहीं छोड़ी और प्रार्थना करना जारी रखा"

लेकिन जब मुझे थाने में अकेला छोड़ दिया गया. मुझमें पहले जैसा आत्मविश्वास नहीं था, और आशा नहीं थी, जो मुझे यीशु पर हुआ करता था, यीशु नीचे नहीं आया। मैं केवल इतना जानती थी कि यीशु के पास मेरे जीवन के लिए एक अच्छी योजना है।

उस आधी रात को मेरा छोटा भाई भागता हुआ पुलिस स्टेशन आया और उसने वहां मौजूद कई लोगों से आने और मदद करने का आग्रह किया। कोई मदद के लिए

नहीं आया. उसने पुलिस वालों से कहा कि, 'मेरी बहन ने कुछ नहीं किया वह वेश्या नहीं है, वह स्कूल में टीचर के पद पर काम कर रही है। हालाँकि उसने बहुत समझाया, पर किसी ने हमारी बात पर विश्वास नहीं किया। मैंने सोचा कि मुझे यीशु के लिए इतनी बड़ी कीमत क्यों चुकानी है। किसी तरह से हम पुलिस स्टेशन से निकलने में कामयाब रहे और परिचित व्यक्ति के घर में शरण ली। ऐसे में मेरा छोटा भाई चाहता था कि मैं शादी कर लूं ताकि मेरे देखभाल के लिए एक पति मिल जाए और रहने के लिए एक स्थायी ठिकाना मिल जाए. लेकिन मैं दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी करने के खिलाफ थी। जो बाइबिल के विरुद्ध है। साथ ही मैं किसी भी मसीही युवक को नहीं जानती थी, परिस्थितियाँ हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं थीं।

इसलिए मेरे भाई का दोस्त जो मुझे और मेरे परिवार को जानता था, मुझसे शादी करने के लिए आगे आया।

अपनी शादी के पहले दिन, जब मैंने उससे यीशु के विषय में बात की तो उसने उसे स्वीकार कर लिया। हम दोनों पति-पत्नी एक साथ चर्च गए और यीशु की आराधना की। मेरे पति, जिन्होंने यीशु के प्रेम का स्वाद चखा ने ही मेरे भाई से यीशु के बारे में बात की। कुछ दिनों के बाद मेरे भाई ने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया। परमेश्वर ने मेरी लंबे समय से चली आ रही प्रार्थना का उत्तर दिया।

उसके बाद मेरे पति और मेरे भाई ने मिलकर मेरे पिता को सुसमाचार सुनाया। यह कितना आश्चर्य की बात थी कि मेरे पिता ने अपना हृदय खोलकर यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया। प्रभु ने मेरे आँसुओं का उत्तर दिया। उस दिन परमेश्वर ने मुझे अद्भुत आनंद से भर दिया। अब मेरे पिता ने शराब पीना छोड़ दिया है, और सेवकाई करते हैं।

में सोचती हूँ कि यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा चमत्कार है. मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे पिता जिन्होंने मुझे मसीही होने के कारण प्रताड़ित किया, वे उन्हें स्वीकार करेंगे और सेवकाई करेंगे।

लेकिन परमेश्वर ने मेरे जीवन में यह महान चमत्कार किया। मेरे परिवार के उद्धार के लिए मुझे एक पात्र के रूप में उपयोग किया। मैं उसे सारी महिमा देती हूं.

मेरे प्रिय युवा पाठकों, उर्वशी यीशु के लिए दृढ़ता से खड़ी थी, उसने कई कष्ट और अपमान सहे। अपने संकट में उसने महसूस किया कि यीशु उसकी प्रार्थनाओं के प्रति चुप थे। हो सकता है आप भी पीड़ित हों और अपने परिवार की मुक्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हों. आशा मत खोना. आपको अपने इंतजार का प्रतिफल जल्द ही देखने को मिलेगा। आशा न खोएं, अपना विश्वास बनाए रखें और ईमानदारी से प्रार्थना करें। बहुत जल्द आप चमत्कार देखेंगे।

अंतहीन रास्ता

उपलब्धि प्राप्त करने वाले प्रिय नौजवानों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। उन प्रत्येक मनुष्यों में जो इस गृह पर जन्म लेते हैं एक अद्वितीय प्रतिभा होती है। हमें उस उपहार को खुद से छिपाए रखने की बजाय उसे हर दिन निखारते रहना चाहिए। हमें इस दुनिया में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का प्रयास करना चाहिए। उपलब्धि प्राप्त करने वाले वही होते हैं जो संघर्षों पर जय पाते हैं। यहाँ, हम आपके लिए एक ऐसे सफल व्यक्ति की जीवन यात्रा प्रस्तुत करते हैं, जिसने जीवन भर संघर्ष किया और विजय का झंडा लहराया।

एरिक वेहेनमेयर का जन्म न्यू जर्सी में 1968 में एक दुर्लभ नेत्र रोग, रेटीनोस्किस के साथ हुआ था। जिसका पता तब चला जब वह 15 महीनों का हो गया था, यह बिमारी बढ़कर 'ग्लूकोमा' में बदल गयी और 13 वर्ष की आयु तक उन्हें पूरी रीति से अँधा कर दिया। नेत्रहीन होने के बावजूद उन्होंने ब्रेल(लिपि) में पढने की पेशकश नहीं की।

स्कूल में पढ़ने के दौरान उनके मन में कुश्ती के प्रति दृढ़ इच्छा जागृत हुई, उसमें प्रशिक्षित हुए, हाई स्कूल में सर्वश्रेष्ठ पहेलवान बने और फिर अपनी टीम की कप्तानी की। इसी बीच उन्होंने अपनी मां को खो दिया और गहरे अवसाद में पड़ गये।

उसके बाद, अपने पिता द्वारा दिशा निर्देशन प्राप्त कर, पर्वतारोहण का प्रयास किया। अपने हाथों और पैरों का इस्तेमाल कर उन्होंने पहाड़ों के छेदों की पहचान की। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने फ़ीनिक्स कंट्री डे स्कूल में मिडिल स्कूल अध्यापक और कुश्ती के कोच के रूप में काम भी किया। इतना होने पर भी उनकी यात्रा नहीं रुकी। उन्हें अपने पर्वतारोही होने के सफ़र को जारी रखने के लिए बहुत प्रयास करना पड़ा। उनका पहला प्रमुख पर्वतोरोहण था, 'डेनाली'। वर्ष 2004 में, उन्होंने छह तिब्बती यूवकों के साथ, एवेरेस्ट के उत्तरी भाग की 21,500 फीट की ऊंचाई पर चढ़ाई की।

वेहेनमेयर 25 मई, 2001 को 'माउंट एवेरेस्ट' की चोटी पर पहुचने वाले पहले दृष्टीबाधित व्यक्ति बने। इस उपलब्धि के लिए उन्हें टाइम पत्रिका के कवर पृष्ट पर सम्मानित किया गया था।

सितम्बर 2002 में, वह 7 महाद्वीपों की 7 सबसे ऊँची चोटियों पर पहुचने वाले पहले नेत्रहीन व्यक्ति बन गए। उन्होंने 2008 में, ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊँची चोटी, 'द कार्स्टेंस्ज़ पिरामिड' पर भी चढ़ाई की। एरिक वेहेनमेयर एक नेत्रहीन एथेलीट. साहसिक, लेखक, कार्यकर्ता और प्रेरणादायक वक्ता हैं।

उपलब्धि प्राप्त करने वाले सभी नौजवान जो इसे पढ़ रहें हैं, यहाँ किसी का भी जीवन संघर्षों और खामियों के बगैर नहीं है। अगर हम अपनी कमियों पर ही ध्यान करते रहेंगे तो हम कभी उपलब्धि नहीं प्राप्त कर सकते। इसलिए आईये संघर्षों और कमियों को अलग करके सफलता के कभी न ख़त्म होने वाले रास्ते पर आगे बढ़ें।

हर पाँचवाँ सप्ताह रविवार को हम युवाओं के लिए रिवाइवल इग्नाइटर्स फ़ेलोशिप का आयोजन कर रहे हैं, जिसे निम्नलिखित तारीखों [30/6/2024, 29/09/2024 और 29/12/2024] पर जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज़ यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें। नीचे दिए गए नंबर

YouTube Jesus Redeems - Hindi

Comforter DIGITAL CHANNEL www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

Revival IGNITERS

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है
इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976